सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

9वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपडगंज,दिल्ली – 110092

सत्र – 2024–2025

कक्षा :– तीन | विषय – हिन्दी | पाठ – 2 (मेहनत का फल)

–: कठिन शब्द :–

1. प्रार्थना
2. ईमानदारी
3. कंकड़
4. परिश्रम
5. मुखिया
6. बँटवारे
7. कृपा
8. प्रेम
9. हिस्सा
10. धार्मिक

–: लघुत्तरीय प्रश्न :–

प्रश्न – 1 नितिन मंदिर किसलिए जाता था?

उत्तर – नितिन भगवान से अच्छी फसल होने की प्रार्थना करने के लिए मंदिर जाता था।

प्रश्न – 2 खेतों की देखभाल कौन करता था?

उत्तर – खेतों की देखभाल कमल करता था।

प्रश्न – 3 भगवान किनकी मदद करता है?

उत्तर – भगवान भी केवल उनकी मदद करता है जो अपनी मदद खुद करते है।

प्रश्न – 4 कमल और नितिन में तू–तू, मैं–मैं क्यों होने लगी?

उत्तर – धन के बँटवारे को लेकर कमल और नितिन में तू–तू, मैं–मैं होने लगी।

प्रश्न – 5 गाँव के मुखिया ने नितिन और कमल को क्या काम करने को दिया?

उत्तर – गाँव के मुखिया ने नितिन और कमल को कंकड़ मिले हुए चावल दिए और कहा ''कल ये चावल से कंकड़ अलग–अलग करके लाना''।

–: दीर्घ उत्तरीय प्रश्न :–

प्रश्न – 1 कमल को धन का अधिक हिस्सा क्यों मिलना चाहिए था?

उत्तर – कमल को धन का अधिक हिस्सा इसलिए मिलना चाहिए था क्योंकि उसने दिन–रात अच्छी फसल होने के लिए खेतों में मेहनत की थी।

प्रश्न – 2 नितिन ने क्या कहकर धन के अधिक हिस्से की माँग की?

उत्तर – नितिन ने कहा है कि अच्छी फसल मेरी दिन–रात भगवान से प्रार्थना करने की वजह से हुई है इसलिए धन का अधिक हिस्सा मुझे मिलना चाहिए।

प्रश्न – 3 नितिन और कमल को कंकड़ मिले चावल देने के पीछे मुखिया जी का क्या उद्देश्य था?

उत्तर – नितिन और कमल को कंकड़ मिले चावल देने के पीछे मुखिया जी का उद्देश्य था कि वह मेहनत करने वाले व्यक्ति का पता कर सके।

प्रश्न – 4 मुखिया जी ने कंकड़ मिले चावलों द्वारा फ़ैसला कैसे किया?

उत्तर – जब अगले दिन नितिन और कमल मुखिया जी के द्वारा दिए गए कंकड़ मिले चावल लेकर आए, जब मुखिया जी ने देखा कि कमल ने मेहनत करके अपने चावल साफ कर लिए थे परन्तु नितिन के चावल वैसे ही थे। तभी मुखिया ने फैसला किया कि कमल को धन का ज्यादा हिस्सा मिलना चाहिए।

–: वाक्य प्रयोग :–

क. आशा – उम्मीद

वाक्य – मुझे आशा है कि इस बार की परीक्षा में मेरे अच्छे अंक आएँगे।

ख. वर्ष – साल

वाक्य – मैं पिछले वर्ष कक्षा में प्रथम आया था।

ग. परिश्रम – मेहनत

वाक्य – परिश्रम करने वाला व्यक्ति सदैव जीवन में कामयाब होता है।

घ. प्रेम – प्यार

वाक्य – मेरे माता–पिता मुझे बहुत प्रेम करते हैं।